**टिहरी गढ़वाल के घने जंगल में स्थित आश्रम को पहुंचाई बिजली।**

आज जहां बिजली पानी हर व्यक्ति के जीवन की मूल जरूरतो में से एक है वही भारत के कुछ हिस्से ऐसे भी है जहां लोगो को इन सुविधाओं को प्राप्त करने में आज भी समस्याएं आ रही है, हमारी सरकार भी इन सुविधाएं को लोगो तक पहुँचाने के लिए निरंतर कार्यरत है।

लूम सोलर जो कि एक भारतीय ब्रांड होने के साथ साथ देश में अपने नेटवर्क का विस्तार बड़ी तेजी से कर रहा है और भारत सरकार की बनाई गयी नीतियों के अनुरूप निरंतर कार्य करता आ रहा है, ने एक नामुनकिन कार्य को मुमकिन बना कर दिखाया  है। टिहरी गढ़वाल जो कि उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में बसा एक पहाड़ी प्रदेश है, यही के एक छोटे से गांव 'नीलगिरी' से  1 .5  किलोमीटर की दूरी पर अत्याधिक् दुर्गम स्थान पर बन रहे आश्रम में बिजली की सुविधा के लिए लूम सोलर ने 5 किलोवाट का ऑफग्रिड सोलर सिस्टम को इंसटाल किया, जिसके प्रत्येक  सोलर पैनल की क्षमता 440 वाट है, यह एक ऐसा स्थान है जो चारो और से घने जंगलो से घिरा हुआ है।

इसके बारे में जानकारी देते हुए कहा लूम सोलर के अधिकारी श्री अमोद आनंद ने कहा, हमे जानकारी मिली थी कि हमे टिहरी गढ़वाल के नीलगिरी गांव में बन रहे एक आश्रम में सोलर पैनल लगाना है, पर हमे उसकी इंस्टालेशन लोकेशन की स्थिति की स्पष्ट जानकारी नहीं थी, यह आश्रम मुख्य कस्बे से तक़रीबन डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर था, जहां बिजली पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थी। हमने अपनी कंपनी पालिसी एवं जिम्मेदारी को समझते हुए इस चुनौती को स्वीकार किया, हमारी एक्सपर्ट टीम ने इस मुश्किल काम को अंजाम देने के लिए, कर्मबध तरिके से पूरी योजना तैयार की। जिसके अंतर्गत हमे सोलर पैनल इंस्टाल करने के लिए मूलभूत सुविधाओं के साथ इलेक्ट्रिसिटी का इंतज़ाम करना मुख्य चनौतियाँ थी। अधिकारियो एवं स्थानीय लोगो के मदद से लगभग डेढ़ किलोमीटर से ज्यादा दुर्गम क्षेत्र की दूरी को पार करते हुए जंगली जानवरो से बचाव भी बड़ी समस्या थी, जिसके लिए सोलर प्लांट के चारो और काँटों की तार की चार दीवारी की गयी।

आगे बात करते हुए श्री अमोद ने कहा "आश्रम में इतनी दुर्गम स्थितियों में लूम सोलर इंसटाल करना हमारे लिए एक बड़ी सफलता है। लूम सोलर अपनी सेवाओं के लिए पूर्णता अग्रसर है, तथा अपनी सेवाओं में बेहतर अनुभव देना के लिए वचनबद्ध है।”